

किस्म मुकदमा

२१२५५

मु०न० ०६ सन २०१९

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम कीतामील में जमी हुए
०९-१०-१९	<p>प्राचीनगण द्वारा छत्र वाद में वास्ते तत्काल कर शीघ्र सुनवाई कर विद्दो करतै जावत सुनत प्रार्थना पत्र पर पत्रावली भ्रम तत्काल की गई। समस्त प्राचीनगण सं. १ से ५ उपास्थित। प्राचीनगण ने प्रार्थना-पत्र के कथन किए कि परिवार व समाज के मोतकि वान व्यक्तियों के समक्षमे से भव वे उक्त प्रकरण में भागे कोई कार्यवाही नहीं चाहते हैं और वाद / अस्थार निषेधात्ता प्रा. पत्र विद्दो कवना चाहते हैं। उपास्थित प्राचीनगण को प्रार्थना-पत्र पढ़कर सुनाया गया जिनसे वाद / अस्थार निषेधात्ता प्रा. पत्र विद्दो किये जाने एवं भागे कोई कार्यवाही नहीं चाहते जावत सहमति जोरि की। उक्त सहमति स्वरूप समस्त प्राचीनगण के हस्ताक्षर करवाए गए। पत्रावली का अवलोकन किया गया। वाद अवलोकन पाया कि प्रकरण हमी अपनी प्रारंभिक अवस्था तत्काली व जवाब में नियत है। अतः लोक अरामत की भावना से प्रार्थना पत्र स्वीकार योग्य होने से स्वीकार किया जाता है एवं अस्थार निषेधात्ता के प्रार्थना-पत्र विद्दो की अनुमति दी जाकर यह प्रकरण इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसन गुमार डेकर नम्बर से करा हो।</p>	<p>१। पी. सी.                  २। शक्ति                  ३। मुशीला                  ४। शारदा                  ५। लक्ष्मी                  ६। गारा</p>

(जसमीतसिंह संघू)  
 उपखण्ड अधि. एवं सहायक कलक्टर  
 ब्यावर

